2152017-Himachal-9.qxd 05/20/2017 8:53 PM Page 1

खुंडिया सामुदायिक भवन एक चिकित्सक के सहारे

दो बार हुआ शिलान्यास पर नहीं हुआ उद्धार

खुंडिया सामुदायिक भवन की दो बार शिलान्यास की पटिकाएं।

ज्वालामुखी, 20 मई (प्रशांत) : ज्वालामुखी के साथ लगते खुंडिया सामुदायिक अस्पताल की हालत बद से बदतर है। मिली जानकारी के अनुसार यहां डॉक्टर के 5 पद हैं। पर हालात यह है कि मौके पर एक डेंटल डॉक्टर है और एक एमबीबीएस डॉक्टर हैं जोकि धर्मशाला में ट्रेनिंग पर चल रहे हैं। बाकी की 11 नई पोस्ट सृजित हुई हैं, पर अभी तक एक भी नहीं भरी गयी है। खुंडिया अस्पताल को पीएचसी बढ़ा कर दर्जा तो सीएचसी का दे दिया गया पर कोई सुधार नहीं हुआ। लोगों को इलाज के लिए पहले भी भटकना पड़ता था और अब भी। इस सीएचसी डिस्पेंसरी खुंडिया की एक रोचक बात यह भी है कि इसका उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने 2 सितम्बर, 2012 में किया था और काम भी शुरू हुआ और फिर चुनाव आए और सरकार बदल गयी और उसके उपरांत फिर से इस अस्पताल का शिलान्यास 12 जनवरी, 2015 में मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह द्वारा किया गया। एक ही भवन का दो बार शिलान्यास हुआ पर बेहतर सुविधा अभी तक नहीं मिली अब भी एक ही चिकित्सक के सहारे चल रहा है। इतना बड़ा चंगर का इलाका एक डेंटल डॉक्टर के सहारे चल रहा है। खुंडिया क्षेत्र के युवा व आईटी सेल भाजपा सदस्य आरती दत्त नायक ने बताया कि नफरत की राजनीति खेली जा रही है और चंगरवासियों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और जनता को धोखा दिया जा रहा है। एक चिकित्सक के सहारे कब तक जनता का भला होगा। चंगरवासियों और आरती दत्त ने मांग की है कि खुंडिया अस्पताल में चिकित्सक तैनात किए जाए और जनता को राहत मिल सके।

कार और बाईक की टक्कर से बाईक सवार गंभीर रूप से घायल

सोलन, 20 मई (अमरप्रीत) : थाना धर्मपुर के अंतर्गत सीआरपीएफ गेट धर्मपुर के समीप सुबह करीब पौने नौ बजे एक बाईक और कार की टक्कर होने से बाईक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे प्राथमिक उपचार के लिए तुरंत सीएचसी धर्मपुर लाया गया। जानकारी के अनुसार एक कार एच-16-0299 जिसमें जय प्रकाश अपने परिवार सहित गड़खल जा रहा था, जैसे ही वह सीआरपीएफ गेट के पास पंहुचा, तो तेज़ रफ्तार से गलत दिशा में आ रही बाईक भ्च् एचपी-डी-(टी)-6299 कार के साथ आकर टक्करा गई। जिसमें दिवान चंद निवासी धर्मपुर को गंभीर चोटे आई। जिसे प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी धर्मपुर लाया गया, जहां से उसे क्षेत्रिय अस्पताल सोलन रैफर कर दिया गया। उक्त व्यक्ति की गंभीर हालत को देखते हुए सोलन से पीजीआई चंडीगढ़ रैफर कर दिया गया। इस मामले की पुष्टि एएसआई सहदेव ने करते हुए बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है व छानबीन की जा रही है।

हिमालय वाटरशैड प्रोजैक्ट में दशकों से काम करने वाले दैनिक भोगी नहीं हुए रैगुलर

सोलन, 20 मई (अमरप्रीत) : हिमाचल प्रदेश की महत्वकांक्षी परियोजना मिड हिमालय वॉटरशैड प्रोजेक्ट में दशकों से काम करने वाले दैनिक भोगी अब खुद को कोस रहे हैं। आलम यह है कि 25 साल की सेवा के बाद भी न तो इन्हें रैगुलर किया गया और न ही इनके लिए अभी तक सरकार या विभाग के पास कोई पॉलिसी है। 50 वर्ष की आयु पार कर चुके इन दैनिकभोगियों के पास निराशा के अलावा कुछ भी नहीं है। यह उस दिन को कोस रहे हैं, जब उन्होंने सरकारी नौकरी मिलने की उम्मीद से अढ़ाई दशक पहले प्रोजेक्ट को ज्वाइन किया था। प्रोजेक्ट में क्लास-वन लेबल के अधिकारियों को रेगुलर नौकरी दी और वह दूसरे विभागों ने सेवाएं भी दे रहे हैं, लेकिन प्रोजेक्ट में लगे माली अपने को ठगा सा महसूस कर रहे हैं।

1990 की बैठक में माली पदों के लिए हुई थी बैठक

तत्कालीन कंडी परियोजनाएं जो अब मिड हिमालय वाटशैड परियोजना के रूप में प्रदेश में चल रही है। कंडी परियोजना की राज्यस्तरीय संचालन समिति की बैठक 18 जुलाई, 1990 को वित्तायुक्त एवं सचिव वन हिमाचल प्रदेश सरकार की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि बागवानी माली पद को दैनिक वेतन पर परियोजना निदेशक एकीकृत जल प्रवाह परियोजना (कंडी) सोलन की ओर से रखा जाएगा। इन्हें परियोजना की समाप्ति अवधि 31 दिसंबर, 1996 तक रखा जाना था। इसी दौरान मई 1992 में प्रदेशभर में 6 मालियों की नियुक्ति की गई। खास बात यह है कि कंडी परियोजना में मालियों की नियुक्ति रोजगार कार्यालय के माध्यम से हुई थी। इसमें दसवीं पास और नौणी स्थित डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी व वानिकी यूनिवर्सिटी से माली का प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को साक्षात्कार के बाद माली उद्यान पदों पर नियुक्त किया गया। 31 दिसंबर, 1996 को प्रोजेक्ट की अवधि को वर्ष 2005 तक बढ़ा दिया गया और यह माली उद्यान प्रोजेक्ट में अपनी सेवाएं देते रहे। कंडी परियोजना के बाद 2006 में मिड हिमालय वाटरशैड प्रोजेक्ट को लागू कर दिया गया। इसमें भी उद्यान माली की सेवाएं यथावत चलती रही। इसमें से कुछ छोड़ गए और दो माली वीरेंद्र दत्त और चंद्रशेखर तब से लेकर नियमित रूप से मिड हिमालय प्रोजेक्ट में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

क्या कहना है माली उद्यान का

मिड हिमालय वाटर शैड प्रोजेक्ट में माली उद्यान का कार्य करने वाले चंद्रशेखर और वीरेंद्र दत्त ने बताया कि उनकी नियुक्त रोजगार कार्यालय के माध्यम से हुई थी। उनके पदों को वित्त विभाग की मंजूरी भी मिली थी, लेकिन उनका कार्यकाल 25 वर्ष हो चुका है।

प्रोजेक्ट की सफलता में वह विस्तार का काम करते रहेए इसके बावजूद भी रेगुलर नहीं किया गया। अब चंद्रशेखर की उम्र 52 और वीरेंद्र दत्त की 53 वर्ष हैं। ऐसे में वह जाएं तो क्या जाएं। वह मुख्यमंत्री व परियोजना निदेशक को भी गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई अतिवादी कदम नहीं उठाया गया, जिससे उनके हाथ निराशा के अलावा कुछ भी नहीं है। मिड हिमालय वाटरशैड प्रोजेक्ट भी पूरा हो चुका है। उन्हें की 25 साल सेवाओं के बाद अब अपना भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है।

यह मामला प्रदेश सरकार के संज्ञान में है। प्रोजेक्ट में काम करने वाले सभी दैनिकभोगी और अनुबंध कर्मचारियों के लिए सरकार पॉलिसी बना रही है। पॉलिसी बनने के बाद ही कुछ हो सकता है।
डॉ. बीआरआर सिंह, मुख्य परियोजना निदेशक, मिड हिमालय वाटर शैड, प्रोजेक्ट सोलन।

चंबा में भूकंप के दो झटके

शिमला, 20 मई (अ.स) : हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर शनिवार को दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र बिंदु ज़िला चंबा था। दो बार भूकंप के झटके आने से क्षेत्र के लोगों में दहशत है। भूकंप का पहला झटका शनिवार को प्रात: करीब 9 बजकर 11 मिनट पर महसूस किया गया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.6 आंकी गई। वहीं दूसरा झटका करीब 11 बजकर 18 मिनट पर महसूस किया गया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 आंकी गई। भूकंप के झटके कम तीव्रता के होने के कारण इससे किसी भी तरह के जान व माल के नुकसान की सूचना नहीं है। मौसम विभाग के निदेशक डॉ. मनमोहन ने बताया कि भूकंप का केंद्र बिंदु चंबा था। उधर शनिवार को प्रदेश में मौसम साफ रहा। इससे तापमान में उछाल आया है। राज्य में सबसे गर्म ऊना रहा। यहां पर अधिकतम तापमान 39.3 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह अधिमतम तापमान शिमला में 24.8 डिग्री सैलिसयस, सुंदरनगर में 33.5, भूंतर में 29.6, कल्पा में 21.8, धर्मशाला में 29.4, नाहन में 34, सोलन में 30.2 तथा कांगड़ा में 35.2 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों में राज्य के कुछ स्थानों पर बारिश तथा ऊंचे स्थानों परहिमपात की संभावना जताई है। साथ ही विभाग ने 21 मई को मध्यम व मैदानी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर गरज व अंधड़ के साथ ओलावृष्टि की चेतावनी भी दी है।

चायल घाटी में ओलावृष्टि, दर्जनों गांवों में भारी क्षति

कंडाघाट, 20 मई (आर. पी. ठाकुर) : शुक्रवार रात चायल क्षेत्र में ओलावृष्टि होने से घाटी के तहत आने वाले ज़िला सोलन व शिमला के दर्जनों गांवों में ओलावृष्टि होने से सब्जियों और फल-पौधों की फसलों को 30 से 70 प्रतिशत की हानि होने से किसान व बागवानों की आर्थिक तौर से कमर टूट गई। ओलावृष्टि से ज़िला सोलन के गांव बांजनि, धरोटी, चेवण, आंजी, शिलाई खिन्ना, झाजा, चावरी, कोडो, काथला, गडिंजा, नगाली जेठण डमडार और ज़िला शिमला के जनेह घाट, भलावग, हिवण, शेरपुरी कोटी सहित कई गांवों में नुकसान हुआ। इन दिनों क्षेत्र में टमाटर शिमला मिर्च, फ्रासबीन, खीरा, करेला जैसी किसानों और खुरमानी, पलम आड़ू सहित बागवानों की फल-फसलें यौवन पर है। महिनों से लोग इन फसलों को पैदा करने के लिए पसिना बहा रहे है। इन फसलों पर यहां के 98 प्रतिशत लोगों की रोजी-रोटी चलती है, जो ओलावृष्टि से सकते में पड़ गई। ग्राम पंचायत झाजा के प्रधान मान सिंह, बांजनी के प्रेम कुमार, नगाली की कलावती, चायल के महेष कनौजिया बीडीसी सदस्य अजय कुमार क्षेत्र के किसान झाजा के राम प्रकाश, राजेंद्र, शुभम, पूर्ण शिलाई के दौलत राम, मान सिंह, सुनील, प्रताप सहित दर्जनों किसानों ने बताया कि ओलावृष्टि से भारी नुकसान से उनकी रोजी-रोटी पर संकट आ गया है। प्राकृतिक आपदा की घड़ी में उन्होंने प्रशासन व सरकार से शीघ्र मुआवजें की मांग की है।

एनसीसी का वार्षिक शिविर सम्पन्न

सरीमोलग/जयसिंहपुर, 20 मई (प्रवीण/ कंठवाल) : राष्ट्रीय केडट कोर का सीएटीसी-213 का वार्षिक शिविर नगरोटा के रेनवो इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में संपन्न हुआ। जिसमें कुल 501 लड़के और लड़कियों ने भाग लिया। यह शिविर 10 मई से 19 मई तक चला। इसमें विभिन्न प्रकार का प्रशिक्षण दिया गया। इस शिविर में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जयसिंहपुर के 14 लड़के और 27 लड़कियों ने भाग लिया। इस शिविर के दौरान भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताएं करवाई गई, जिसमें राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जयसिंहपुर की मोनिका शर्मा को गाने में प्रथम पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

ईसीआई की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन 100 फीसदी सुरक्षित : नवीन चावला

सोलन, 20 मई (अमरप्रीत) : चुनाव प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाली ईसीआई की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन 100 फीसदी सुरक्षित है, जो लोग हार जाते है, वही ईवीएम पर सवाल उठाते है। यह बात भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नवीन चावला ने सोलन के शूलिनी विश्वविद्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुई कही। उन्होंने कहा कि देश में 2004 से लेकर अब तक ईवीएम मशीनों से चुनाव होते आ रहे हैं। ईवीएम मशीनों पर पहले भी राजनैतिक दल सवाल उठाते रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि हमारी ईवीएम मशीनें एकदम सुरक्षित हैं। चावला ने कहा कि जो राजनैतिक दल चुनाव हारता है, वह हार के बाद ईवीएम मशीन पर सवाल उठाता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2007 में यूपी में बहुजन समाजवादी पार्टी की सरकार बनी। वर्ष 2012 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनी और अब 2017 में भाजपा की सरकार बनी। यूपी में यह सभी चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से हुए हैं। अब हारने वाले दल ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब वह भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त थे, उस समय भी वर्ष 2009 में ईवीएम पर सवाल उठे थे।

उस दौरान वह फ्रांस के दौरे पर थे। उन्होंने अपना फ्रांस का दौरा बीच में रद्द किया और वापिस इंडिया आए। विशेषज्ञों, कैमरों की निगरानी में अलग-अलग राज्यों से 100 ईवीएम मशीनें मंगवाई गई, लेकिन कोई भी इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की मशीनों को हैक नहीं कर सकता।

विभिन्न योजनाओं की आवश्यकतानुरुप समीक्षा आवश्यक : डॉ. शांडिल

सोलन, 20 मई (मनीष) : सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. कर्नल धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए भिन्न-भिन्न निगमों द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं की वर्तमान समय की आवश्यकताओं के अनुरूप समीक्षा की जानी चाहिए। डॉ. शांडिल गत सांय यहां विभिन्न कल्याण निगमों की कार्यप्रणाली की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हिमाचल प्रदेश पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम शिमला, हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास निगम सोलन तथा हिमाचल प्रदेश महिला विकास निगम सोलन की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि वैश्वीकरण, उदारीकरण एवं निजीकरण के दौर में यह आवश्यक हो गया है कि इन निगमों की विभिन्न योजनाओं में समयानुरूप संशोधन किए जाएं ताकि योजनाओं से अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हों सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लक्षित वर्गों तक योजनाओं की पंहुच सुनिश्चित बनाई जाए तथा योजनाओं में व्यावसायिक दृष्टि से संशोधन किया जाए। डॉ. शांडिल ने कहा कि विभिन्न निगम तभी कल्याणकारी सिद्ध हो सकते हैं जब इन द्वारा प्रदत ऋणों की समय पर अदायगी भी होती रहे। उन्होंने कहा कि निगमों को घाटे से उबारने के लिए एकमुश्त ऋण अदायगी पर विचार किया जाना चाहिए। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की प्रधान सचिव अनुराधा ठाकुर ने मुख्य अतिथि का स्वागत करने हुए विभिन्न निगमों की कार्यप्रणाली की विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ कार्य के लिए हिमाचल प्रदेश अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम को वर्ष 2016 में दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। बैठक में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विभिन्न निगमों की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि हिमाचल प्रदेश पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम द्वारा अभी तक पात्र लाभार्थियों को ऋण के रूप में 58.18 करोड़, हिमाचल प्रदेश अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम द्वारा दिव्यांग लाभार्थियों को ऋण के रूप में 29.61 करोड़, अल्पसंख्यक लाभार्थियों को 35.86 करोड़ तथा हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास निगम द्वारा पात्र श्रेणियों को लगभग 368 करोड़ रुपए के ऋण वितरित किए गए हैं। हिमाचल प्रदेश महिला विकास निगम द्वारा अभी तक विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं से 11541 महिलाओं को लाभान्वित किया गया है, 920 महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है तथा 75 जागरूकता शिविर आयोजित किए गए हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग के निदेशक डॉ. सन्दीप भटनागर, हिमाचल प्रदेश पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम के प्रबंध निदेशक अशवनी राज शाह, हिमाचल प्रदेश अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम के प्रबन्ध निदेशक संजीव पाण्डे, हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास निगम के प्रबन्ध निदेशक हर्षवर्द्धन कथूरिया सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी बैठक में उपस्थित थे।

रिक्त पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित

सोलन, 20 मई (मनीष) : बाल विकास परियोजना सोलन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व आंगनबाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों को भरने के लिए साक्षात्कार 12 जून, 2017 को प्रात: 11 बजे बाल विकास परियोजना अधिकारी सोलन के कार्यालय में आयोजित किए जायेंगे। यह जानकारी शनिवार को एक विभागीय प्रवक्ता ने दी। उन्होंने कहा कि इन पदों पर सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित मानदेय देय होगा। उन्होंने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित प्रपत्र पर समस्त प्रमाण पत्रों की छाया प्रतियों सहित 08 जून, 2017 तक बाल विकास परियोजना अधिकारी सोलन के कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन पदो के लिए वही महिला उम्मीदवार पात्र हैं जो संबंधित आंगनबाड़ी केंद्र के लाभान्वित क्षेत्र में प्रथम जनवरी, 2017 को सामान्य रूप से रह रहे परिवार से संबंध रखती हो। उम्मीदवार की आयु 21 से 45 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दस जमा दो व आंगनबाड़ी सहायिका के लिए आठवीं पास होनी चाहिए। सहायिका पद के लिए आठवीं पास शैक्षणिक योग्यता के उम्मीदवार उपलब्ध न होने की स्थिति में न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता पांचवी पास मान्य होगी। उन्होंने कहा कि इन पदों के लिए उम्मीदवार के परिवार की वार्षिक आय 35 हजार रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

इस संबंध में उम्मीदवार को तहसीलदार/नायब तहसीलदार द्वारा जारी/प्रतिहस्ताक्षरित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों की जानकारी देते हुए कहा कि बाल विकास परियोजना वृत सोलन शहरी के तहत हाऊसिंग बोर्ड केन्द्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, बाल विकास परियोजना वृत भोजनगर के तहत आंगनबाड़ी केन्द्र कालथ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, बाल विकास परियोजना वृत ओच्छघाट के आंनगबाड़ी केन्द्र धारों की धार में आंगनबाड़ी सहायिका, बाल विकास परियोजना वृत सुबाथु के आंगनबाड़ी केन्द्र शील में आंगनबाड़ी सहायिका तथा बाल विकास परियोजना वृत गम्बरपुल के आंगनबाड़ी केन्द्र जमरोट में आंगनबाड़ी सहायिका के एक-एक पद भरे जाने हैं। उन्होंने कहा कि आवेदक को आवेदन पत्र के साथ आयु, शैक्षणिक योग्यता, जाति, अपंगता, अनुभव, हिमाचली, परिवार रजिस्टर की नकल व अन्य योग्यता प्रमाणपत्रों की प्रमाणित प्रतियां साक्षात्कार के समय या इससे पूर्व जमा करवाने होंगे। उम्मीदवारों को पंचायत सचिव/तहसीलदार से प्रतिहस्ताक्षरित स्थाई निवासी का प्रमाण पत्र लाना भी अनिवार्य है। उम्मीदवारों को साक्षात्कार के दिन इन सभी प्रमाणपत्रों की मूल प्रतियां अपने साथ लाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि साक्षात्कार के लिए तिथि अलग से सूचित नहीं की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक उम्मीदवार नजदीक के आंगनवाड़ी केन्द्र अथवा बाल विकास परियोजना अधिकारी सोलन के कार्यालय दूरभाष नम्बर 01792-221640 पर संपर्क कर सकते हैं।

बौणी गांव में पानी की कमी से परेशान हो रहे लोग, पेयजल किल्लत से जूझते सड़कों पर उतरे ग्रामीण

बद्दी, 20 मई (ऋषि ठाकुर) : औद्योगिक क्षेत्र बद्दी के तहत बौणी गांव के बाशिंदों पेयजल की कमी को लेकर सरकार से गुहार लगाई है। समाजे सवी दर्शन सैनी ने ग्रामीणों की इस समस्या को गंभीरता से सुना तथा लोगों को आश्वासन दिलाया कि वे शीघ्र आईपीएच अफसरों से मिलकर पेयजल किल्लत को दूर करवाएंगे। बौणी गांव में पेयजल किल्लत को लेकर एक बैठक आयोजित की गई जिसमें कई लोगों ने भाग लिया। ग्रामीणों ने दर्शन सैनी को बताया कि बौणी गांव में पिछले कई दिनों से पानी नहीं आ रहा है, जिससे यहां के लोगों को पेयजल किल्लत से जूझना पड़ रहा है। सैणी ने कहा कि इस मामले को आईपीएच से भी उठाया गया है। उन्होंने कहा कि अगर आईपीएच विभाग ने इसका शीघ्र समाधान नहीं किया तो लोग विभाग के खिलाफ लामबंद होकर अफसरों का घेराव करेंगे। इसके अलावा सड़कों पर उतरकर धरना प्रदर्शन करेंगे। दीगर है कि बौणी गांव में पिछले कई दिनों से पानी नहीं आ रहा है, जिससे लोगों को पानी की बूंद-बूंद के लिए तरसरा पड़ रहा है। पानी की सप्लाई न होने के कारण लोगों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है। ऐसी परिस्थितियों में उन्होंने दर्शन सैणी से मामले को उठाकर समाधान किए जाने की मांग की है।

इस मौके पर रामकरण, सुरेंद्र ठाकुर, राम गोपाल, लायक राम, रमेश कुमार, बलदेव सिंह, रामशरण, पवन कुमार, होशियार सिंह, ओमपाल, कमल कुमार, रामपाल, नरेश कुमार, चमन लाल, पूर्ण चंद, राम प्रताप, हरभजन, क्रांति राम, केवल कृष्ण, राकेश कुमार, चेतना शर्मा, पदम ठाकुर, मंच मेघराज, ममता देवी, रेखा देवी, सुनीता देवी, समती देवी, उर्मिला देवी, निर्मला देवी, सरोज कुमारी, चंपा देवी, किरण कुमारी, दसोधा देवी, सीमादेवी, अंजूदेवी, विमला देवी, कांता देवी, कमला देवी आदि ने गांव में पानी की समस्या का मामला दर्शन से उठाया।

आतंकवाद विरोधी दिवस पर शपथ ली

शिमला, 20 मई (अ.स) : आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर आज बचत भवन में उपायुक्त शिमला रोहन चंद ठाकुर ने उपायुक्त कार्यालय परिसर स्थित सभी कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई। रोहन चंद ठाकुर ने कहा कि हमें सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करना चाहिए। मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझ-बूझ कायम करने के लिए दृढ़ प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली तथा विघटनकारी शक्तियों का सामना करना चाहिए तथा समाज में विकास के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए।

शपथ दिलाते हुए उपायुक्त सिरमौर बीसी बडालिया।

आतंकवाद विरोधी दिवस के उपलक्ष्य पर दिलाई गई शपथ

नाहन, 20 मई (एसपी जैरथ) : उपायुक्त सिरमौर बीसी बडालिया द्वारा शनिवार को उपायुक्त परिसर के प्रांगण में आतंकवाद विरोध दिवस के उपलक्ष्य पर उपस्थित कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आतंकवाद का अर्थ किसी विनाशकारी शक्ति द्वारा विभिन्न तरीकों से भय की स्थित को उत्पन्न करना है तथा किसी भी प्रकार के आतंकवाद से चाहे वे क्षेत्रीय हो, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय हो सभी के कारण देश में असुरक्षा, भय और संकट की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उपायुक्त ने कहा कि आतंकवाद को रोकने का एक मात्र उपाय यह है कि हम अपने दायित्वों को समझे और प्रयास करे की समाज के प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति को समान अधिकार प्राप्त हो और सभी को समान रूप से कानुन का संरक्षण प्राप्त हो। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त सिरमौर हरबंस नेगी सहित उपायुक्त कार्यालय के कर्मचारियों ने शपथ ग्रहण की।

29 व 30 मई को भारतीय यूथ संसद का आयोजन

परागपुर, 20 मई (सुदेश) : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कन्या देहरा में 29 व 30 मई को भारतीय यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इस पार्लियामेंट में देहरा खंड के हाई व सीनियर सेकैंडरी स्कूल भाग लेंगे। प्रधानाचार्या राकेश नन्दिनी ने कहा है कि जो स्कूल इस संसद में भाग लेना चाहते हों, वह 25 मई तक 01970-233555, 9418134959, पर सुचना उपलब्ध करवा दें, ताकि उस अनुसार व्यवस्था बनाई जा सके।

संदिग्ध हालत से लापता बाद में मौत को लेकर बेटे और उसकी मां ने डीसी चंबा से की उच्चस्तरीय जांच करवाने की मांग

डीसी सुदेश मोख्टा ने हेमराज व ग्रामीणों को घटना की जांच करवाकर न्याय का भरोसा दिलाया

चंबा, 20 मई (शिव शर्मा) : क्षेत्रीय अस्पताल के पिछले हिस्से में गत 22 अप्रैल को संदिग्धावस्था में बरामद लोक निर्माण विभाग कर्मचारी के शव मिलने की घटना के मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतक के बेटे हेमराज ने ग्रामीणों के साथ डीसी सुदेश मोख्टा से मिलकर पिता की मौत को हादसा नहीं बल्कि हत्या करार दिया है। हेमराज ने अपनी माता पर पिता की हत्या का संदेह जताते हुए उच्चस्तरीय जांच करवाकर घटना की वास्तविकता से पर्दा हटाने की गुहार लगाई है। हेमराज ने डीसी को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि गत 20 अप्रैल को उसके पिता बीमारी होने के चलते माता संग उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल चंबा आए थे। अस्पताल से आधी रात को अचानक उसके पिता रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गए थे। मगर उसकी माता ने पिता के लापता होने की बात नहीं बताई। हेमराज का कहना है कि उसने व परिजनों ने अपने स्तर पर लापता पिता की काफी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चल पाया और तीसरे दिन उसके पिता अस्पताल के पिछले हिस्से में मृत हालात में पड़े पाए गए, जबकि इस जगह वह पहले पिता की तलाश कर चुके थे। हेमराज का कहना है कि जिन हालातों में उसके पिता मृत हालात में पड़े पाए गए हैं, उससे कई सवाल पैदा हो रहे हैं। हेमराज का कहना है कि उस दिन काफी बारिश हुई थी, लेकिन खुले में पड़े उसके पिता का शव बिलकुल सूखा था। तीन दांत टूटने के अलावा सिर पर चोट के निशान थे। इससे जाहिर होता है कि उसके पिता की हत्या कर शव को वहां फैंका गया। हेमराज ने संदेह जताया है कि उसकी माता ने किसी के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया है। हेमराज ने खुलासा किया कि उसकी माता ने पिता पर घरेलू हिंसा के तहत केस दर्ज किया था। इस पर अदालत के आदेशों पर सात हजार रुपए मासिक खर्च माता को दिया जा रहा था। हेमराज ने डीसी से उजागर पहलुओं के आधार पर घटना की जांच करवाने की मांग की है। उधर, डीसी सुदेश मोख्टा ने हेमराज व ग्रामीणों को भरोसा दिलाया है कि घटना की जांच करवाकर न्याय प्रदान किया जाएगा।

क्षेत्रीय रोज़गार कार्यालय में 26 मई को कैंपस साक्षात्कार

शिमला, 20 मई (अ.स.) : क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी, संगीता गुप्ता ने शनिवार को बताया कि 26 मई, 2017 को यूएसक्लब स्थित क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय में कैंपस इंटरव्यू का आयोजन किया जा रहा है। मैसर्ज रिलायंस निपोन लाईफ इंश्योरैंस द्वारा 50 सैल्ज मैनेजर तथा फाईनैशल एडवाईजर के पदों की भर्ती की जानी है। उक्त पदों के लिए इच्छुक पात्र उम्मीदवार की आयु 30 वर्ष से अधिक तथा शैक्षणिक योग्यता दस जमा दो या स्नातक होनी चाहिए। प्रार्थी को साक्षात्कार अपना रेज्यूम (बायो डाटा) तथा शैक्षणिक योग्यता प्रमाणपत्र की मूल तथा फोटो प्रति साथ लानी होगी।

वन एवं मत्स्य मंत्री ठाकुर सिंह भरमौरी ने पांगी के लोगों की सुनीं समस्याएं

चंबा, 20 मई (शिव शर्मा) : वन एवं मत्सय मंत्री ठाकुर सिंह भरमौरी ने परमस गांव से आई महिला मंडल की महिलाओं से लोक निर्माण विभाग के विश्रामगृह पांगी में बात की। महिलामंडल के आग्रह पर केलाड़-सेरीमटवास वाया परमस सड़क का मौके पर नरीक्षण किया, वंही मंत्री महोदय को आ रही अनियमिताओं के बारे भी बताया। मंत्री ने लोक निर्माण विभाग के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए की शीघ्र अति शीघ्र इन सड़कों को पक्का किया जाए। उन्होंने सड़क किनारे पानी निकासी के भी व्यापक प्रबंध करने के विभाग को निर्देश दिए वंही यह भी कहा कि ग्रामीणों के खेतों को किसी तरह की हानि न पहुंचने पाए। वन एवं मत्सय मंत्री ठाकुर सिंह भरमौरी ने सड़क नरीक्षण के बाद कहा कि 2.5 किलोमीटर की इस सड़क का कार्य 1.5 किलोमीटर तक हो चुका है और जिस पर 90 लाख रुपय खर्च होंगे। वन एवं मत्सय मंत्री ठाकुर सिंह भरमौरी ने विभाग को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि सड़क की कटिंग के समय आस-पास के ग्रामीणों की खेती युक्त जमीने भी है और इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए की सड़क की कटिंग से निकला सारा मक चिन्हित स्थान पर ही फेंका जाए, ताकि लोगों की जमीने सुरक्षित रह सके। इससे पहले किलाड़ लोकनिर्माण विभाग विश्रामगृह में वंहा स्थानीय लोगों की समस्याओं बड़े ही शांतिपूर्वक ढंग सुना और उनकी समस्याओं का निपटारा भी किया और साथ ही उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों निर्देश दिए कि पांगी घाटी के लोगों की समस्याओं का समाधान जल्द करने का प्रयास करे